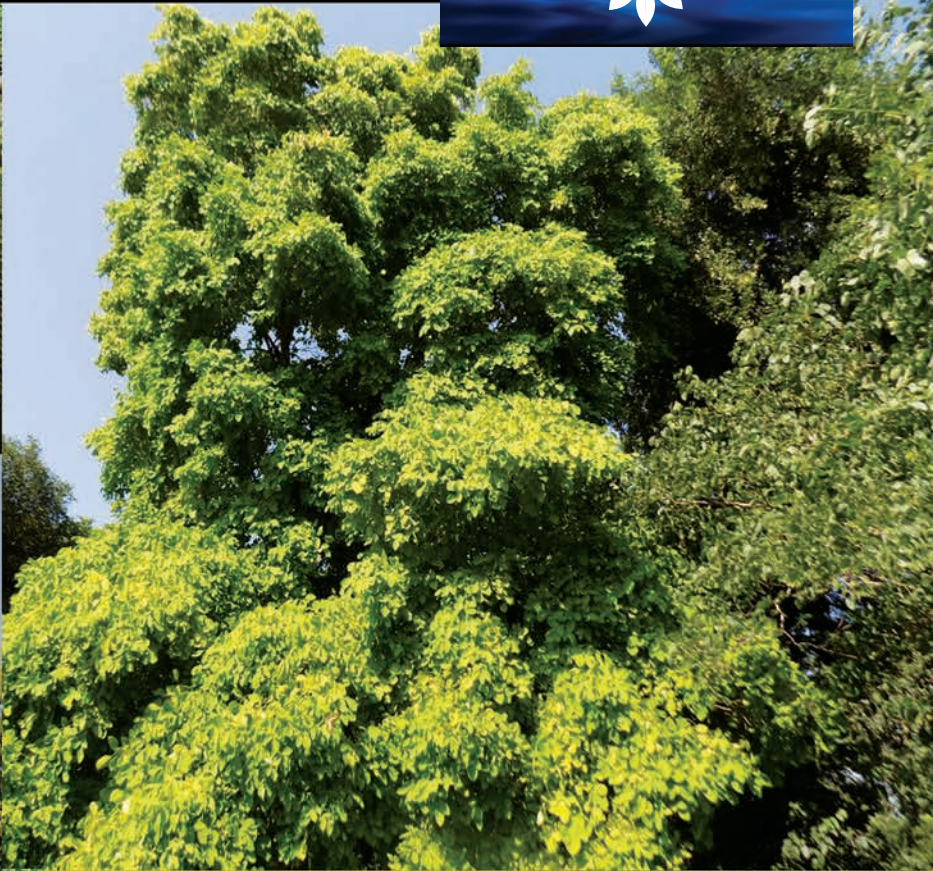




# पर्यावरण मित्र

## Friends of Environment

Issue#14 November 2016 | अंक#१४ नवंबर, २०१६







# पर्यावरण मित्र

## Friends of Environment



### विषय सूची

अध्यक्ष का संदेश.....03

### स्वच्छता अभियान

यमुना सफाई अभियान .....04

कचरा प्रबन्धन कार्यशाला.....06

स्वच्छता एवं कचरा व्यवस्थापन :  
शिक्षक-छात्र संवाद कार्यशालाएं.....08

### भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

#### जैविक खेती

‘नैसर्गिक कृषि एवं पर्यावरण’ विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला.....10

जैविक मेला-शिकोहाबाद.....14

सहजन.....15

### वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम

तम्बाकू निषेध अभियान.....16

वृक्षारोपण-अभियान 2016.....18

विश्व पर्यावरण दिवस पर वॉल पेन्टिंग, वृक्षारोपण,संगोष्ठी.....21

वन दर्शन.....23

### ध्वनि प्रदूषण को रोकने के लिए किये जाने वाले कार्य:

दीपावली जागरूकता.....25

प्रदूषण के सम्बन्ध में पत्राचार.....27

### पर्यावरण मित्र

पर्यावरण मित्र – गतिविधियां, जागरूकता  
अभियान और सम्पर्क .....28

### INDEX

President's Message .....03

### Cleanliness Drive

Cleaning of Yamuna River.....04

Waste management Workshop.....06

Hygiene and Waste Management  
workshop:.....08

### Activities to reduce land pollution

#### Organic

Workshop on Natural Farming and Environment.....10

Jaivik Mela - Shikohabad .....14

Drum Stick.....15

### Activities & Programmes to reduce air pollution

Anti Tobacco Campaign .....16

Tree Plantation Drive -2016 .....18

Wall Painting, Tree Plantation & Seminar  
on World Environment Day - .....21

Van Darshan .....23

### Activities to reduce noise pollution

Awareness on Deepawali .....25

Correspondence about Pollution.....27

### Paryavaran Mitra

Paryavaran Mitra - Activities, Awareness  
Campaigns & Contacts .....28

#### अतिरिक्त सुझाव व जानकारी के लिए :

मोहित जादोन (09358361489), अभिषेक श्रीवास्तव (08394894447)  
हिन्द लैम्प्स लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141  
फोन नं.: 05676-234018 फैक्स: 05676-234018, 234300  
ई-मेल : pmhoskb@gmail.com

#### For suggestions and information contact:

**Shikohabad:**  
Mohit Jadon (09358361489), Abhishek Srivastav (08394894447)  
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad (U.P.), 283141  
Phone No.: 05676-234018 F: 05676-234018, 234300.  
E-Mail: pmhoskb@gmail.com

Website: [www.paryavaranmitra.com](http://www.paryavaranmitra.com)

**The Cover:** All pictures on the cover of this special issue have been taken at the mini forest and green belt developed by Paryavaran Mitra Team at Hind Parisar, Shikohabad.





शिकोहाबाद से 20 किलोमीटर की दूरी पर प्रसिद्ध शिवमंदिर बटेश्वरनाथ यमुना नदी के किनारे स्थित है। हजारों लोग प्रतिवर्ष 108 मंदिरों की श्रृंखला के दर्शन करने आते हैं। जिस तादाद में वे कचरा गंदगी के रूप में छोड़ जाते हैं वह देखकर धक्का लगता है।

मैंने अपनी टीम के साथ इस मंदिर पर यमुना नदी के किनारों को साफ करने का दायित्व लिया। मैंने स्वयं सड़ी-गली चीजें जैसे- जूते, कपड़े, टायर, प्लास्टिक तथा न जाने क्या-क्या गंदगी को कीचड़ से निकाला। हमने लगातार कई घण्टों तक मिलकर 2 फीट गहरा साफ किया। पर हम रुके नहीं और गहराई में 5 फीट तक सफाई की; परन्तु गंदे कचरे की गहराई अगाध थी।

उतना ही गहरा मुद्दा स्वच्छता का है। आज स्वच्छता अभियान देश का शीर्ष संदेश है। हालांकि सफाई पर बहुत कार्य हुआ है पर प्रशासन को अनिवार्य रूप से स्वच्छता बनाए रखने के लिए कड़े तथा दण्डात्मक कदम उठाने होंगे। स्वच्छता को मानसिकता का एक अभिन्न अंग बनाना होगा।

लोग जो स्वच्छता अभियान को चलाना चाहते हैं उनके पास साधनों की कमी है तथा जिनके पास साधन हैं उनके पास इच्छा-शक्ति की कमी है। हमें ऐसे लोगों को शिक्षित करना होगा कि कचरे का निस्तारण कैसे करें। प्रशासन तथा हमारे जैसे गैर सरकारी संस्थान इसमें अपना बड़ा योगदान दे सकते हैं। 'पर्यावरण मित्र' ने कचरा प्रबन्धन तथा स्वच्छता अभियान को चलाने में बहुत सारे प्रयास किए हैं।

हम आशा करते हैं कि हमारे प्रयासों को पत्रिका के इस अंक में पढ़कर आप अवश्य ही प्रेरित होंगे और स्वच्छता अभियान में भाग लेकर भारत को स्वच्छ बनाने में गर्व महसूस करेंगे।

किरण बजाज

किरण बजाज



बटेश्वर में गंदगी की सफाई करतीं किरण बजाज।  
Kiran Bajaj engaged in cleaning on the banks of River Yamuna, Bateshwar

The famous ancient temple of Bateshwar is situated on the banks of River Yamuna. Thousands of people flock here every year to offer prayers at the 108 Shiv temples and leave behind a shocking amount of garbage.

My team and I undertook the task of cleaning this filth around the banks. I picked up rotting shoes, clothes, tyres, plastic and unidentifiable mangled mess! We cleaned for hours together and managed to clear two feet but it didn't stop there. We went deeper

and cleaned around five feet but the depth of the waste was fathomless.

The issue of cleanliness is very deep too. Today Swachhata Abhiyaan is the country's top message. While a lot of work is being carried out, the government needs to try stringent and punitive measures to make cleanliness mandatory.

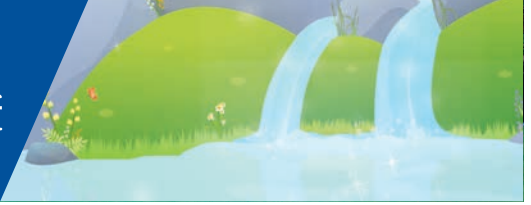
Swachhata should become a way of life and become a part of our psyche. People who have the drive to clean often lack resources. And those who have resources, lack the drive! We need to be educated about waste disposal and here is where the government and NGOs like us can make a big contribution.

Paryavaran Mitra has made a lot of effort in the area of Waste Management and Cleanliness. We hope you are inspired by reading about them in this issue and are motivated to take a step towards creating a clean India we can be proud of.

किरण बजाज

Kiran Bajaj





### विश्व जल दिवस के अवसर पर यमुना सफाई अभियान

दिनांक – 22 मार्च 2016

स्थान— बटेश्वर, तहसील बाह, जनपद आगरा

बटेश्वर बहुत प्राचीन धार्मिक तीर्थ स्थल है जो आगरा जनपद के बाह तहसील में यमुना तट पर स्थित है। यमुना तट पर भगवान शंकर के छोटे-बड़े 108 मंदिर हैं। विगत 10 वर्षों से अधिक से पर्यावरण मित्र यमुना सफाई एवं मंदिर प्रांगण में सफाई, पौधारोपण आदि के बारे में जागरूकता का कार्य कर रहा है। इस वर्ष पर्यावरण मित्र ने जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत यमुना घाटों पर गन्दगी की सफाई एवं कचरा व्यवस्थापन किया।

इस अभियान को गति एवं व्यापक रूप देने के लिए पर्यावरण मित्र ने एक दिन पूर्व ही बटेश्वर स्थित दुकानों पर जन सम्पर्क अभियान चलाया और लोगों को बताया कि पॉलीथिन का प्रयोग न करें, प्रसाद को कागज में रखकर भक्तों दें जिसमें यमुना में पॉलीथिन न पहुँचे, अपनी दुकान के आस पास साफ-सफाई रखें एवं सूखे तथा गीले कचरे को अलग-अलग रखें। पर्यावरण



घाट पर जमीं गंदगी की सफाई करतीं किरण बजाज एवं कचरे को अलग-अलग बीनते अन्य कार्यकर्ता।

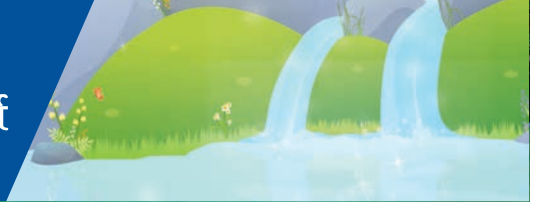
Kiran Bajaj cleaning the grimy banks of River Yamuna with other workers separating the waste



सफाई के बाद घाट पर किरण बजाज एवं कार्यकर्ता।

After the cleanliness driver- Kiran Bajaj with other workers





मित्र के कार्यकर्ताओं ने यमुना घाट की सफाई के लिए बटेश्वर में स्थानीय नागरिकों को जागरूक किया।

विश्व जल दिवस पर प्रातः छः बजे से सैकड़ों लोगों ने किरण बजाज के नेतृत्व में यमुना सफाई अभियान के अंतर्गत मुख्य मन्दिर से लेकर शमशान घाट तक घाटों की सफाई की। और उसमें निकलने वाले पॉलीथिन, बेल पत्री, एवं कपड़े इत्यादि कचरे को अलग-अलग किया गया। घाट पर आने वाले भक्तों को जागरूक किया गया कि वह इस पवित्र यमुना में पॉलीथिन इत्यादि को डालकर उसे गंदा न करें। अभियान के चलते जागरूकता हेतु 'यमुना मैया को जो करेगा गंदा, वो हो जाएगा भिखमंगा', 'यमुना मैया को रखोगे साफ तुम्हारे पापों को प्रभु करेंगे माफ', 'यमुना में कूड़ा न बहाओ जनम जनम के पुण्य कमाओ' इस तरह के नारों के माध्यम से लोगों को यमुना को शुद्ध रखने के लिए प्रेरित किया गया।



यमुना नदी में जमीं गंदगी को निकालता एक कार्यकर्ता।  
A worker cleaning River Yamuna



### World Water Day – Cleaning of Yamuna River

Venue: Bateshwar, Agra Date: March 22

Paryavaran Mitra led a successful campaign to clean Yamuna river to commemorate World Water Day. Bateshwar is an ancient religious site in the Agra region. 108 temples adorn the shores of the river. Paryavaran Mitra organised a massive cleaning of temple compounds and organised tree plantation and waste organisation.

Local shops were discouraged to use polythene bags and offer Prasad in paper bags to avoid polythene bags ending up in the river. The shop-owners were requested to spruce up the area around their shops and separate wet and dry waste.

On the day, Kiran Bajaj led a large group to clean the main temple as well as the crematorium. The waste from these areas were separated. Devotees to the ghat were requested to follow the basic environmental etiquettes and not pollute the river with plastic bags and other waste.

A slogan ran along these lines:

Those who pollute Yamuna river, will always remain a beggar.

Those who keep her waters clean, will be washed off all their sins.



#### कचरा प्रबन्धन कार्यशाला

दिनांक – 11 एवं 12 दिसम्बर 2015

स्थान— कुँ आर.सी. महाविद्यालय, मैनपुरी एवं राजकीय महिला महाविद्यालय, सिरसागंज, उ.प्र.

कुँ आर.सी. महिला महाविद्यालय एवं पर्यावरण मित्र के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के कस्तूरबा गांधी सभागार में कचरा प्रबन्धन पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय की प्राध्यापिकाएं एवं 400 स्नातक वर्गीय छात्राओं ने सहभागिता की।

कार्यशाला की संयोजिका डा. शेफाली यादव ने कार्यशाला के आयोजन और उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम युवा पीढ़ी को कचरा प्रबन्धन जैसे मुद्दे पर ध्यान आकर्षित करने, कचरे का प्रबन्धन व्यवस्थित रूप से करने के लिए प्रशिक्षण देने तथा समाज में जाकर अन्य लोगों को सिखाने के लिए दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया है।

कार्यशाला के प्रारम्भ में पर्यावरण मित्र अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज ने अपने उद्घाटन वक्तव्य में कहा कि हमारे जीने के वर्तमान तरीकों से पर्यावरण को प्रायः कुछ न कुछ नुकसान होता है। हम जिस तरह से सामानों का उत्पादन एवं उपभोग करते हैं उससे पृथ्वी का क्षरण होता है जिसमें जल, हवा तथा मिट्टी शामिल हैं।

किरण बजाज ने कहा कि कचरे की समस्या से निपटने का सबसे टिकाऊ उपाय सर्वप्रथम स्रोत पर ही कचरे को कम करने, इसकी उत्पत्ति, उसके प्रबंधन और निपटान से संबंधित एक नयी सोच और आदतों को अपनाने के द्वारा ही संभव हो सकता है।

पर्यावरण मित्र द्वारा कचरे के प्रकार उसके निपटान तथा जैव



मैनपुरी कुँ.आर.सी. महिला महाविद्यालय में खाद बनाने का व्यावहारिक प्रदर्शन।  
An exhibition about fertiliser at R.C. College

अपघटित कचरे से खाद बनाने की प्रक्रिया के बारे में लघु फिल्म एवं पॉवर प्वाइन्ट प्रजेंटेशन का प्रदर्शन किया गया। छात्राओं ने प्रदर्शन के बाद प्रश्न किए जिसका उत्तर प्रशिक्षक द्वारा दिया गया। प्रदर्शन एवं प्रश्नोत्तरी के पश्चात् छात्राओं द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में जैव अपघटित कचरों से खाद बनाने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया जिसमें छात्राओं ने सहभागी बनकर, खाद बनाने एवं सीखने की प्रक्रिया में अपना योगदान दिया।

कार्यशाला में कचरा से सम्बन्धित प्रमुख पहलुओं एवं मुद्दों जैसे—कचरे की मात्रा, कचरे की गुणवत्ता, कचरा और जीवन—शैली/उपभोग तथा कचरे का प्रबंधन सहित कचरा और स्वास्थ्य: तथा कचरा और जीवन शैली के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं इनके बीच परस्पर अंतर्संबंधों को समझाया गया।

कार्यशाला के दूसरे दिन अमृत जल बनाने की प्रक्रिया एवं गमले



गमले में पौधे लगाने की विधि का प्रदर्शन A display of 'how to arrange pot plants'



प्रश्न पूछती छात्रा।

Student asks a question





सिरसागंज राजकीय महिला महाविद्यालय में खाद बनाने की पहल करती छात्राएं।  
Students of National Womens' College finding out about fertiliser process

भरने, पौधे लगाने के तरीके की जानकारी दी गई तथा कचरा पर नारा लेखन प्रतियोगिता करायी गई। कार्यशाला में उपस्थित चयनित प्रतिभागियों ने अपने विचार प्रकट किए एवं सभी प्रतिभागियों को पर्यावरण मित्र की ओर से प्रतिभागिता प्रमाण पत्र दिए गए।

कुँ. आर.सी. महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. रेनु अग्रवाल ने प्रतिभागियों को प्रमाण वितरित किए एवं समापन में कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य तभी सफल होगा जब प्रत्येक प्रतिभागी अपने घर एवं महाविद्यालय में तथा मुहल्ले में कचरा प्रबन्धन के तरीकों को बताएं और करें। जिससे कि गन्दगी एवं प्रदूषण से मुक्ति पा सकें।

सिरसागंज राजकीय महिला महाविद्यालय



कार्यशाला में प्रमाण पत्र के साथ प्रतिभागी।  
Participants with certificates at the workshop

में भी कचरा प्रबन्धन का लघु वृत्त चित्र एवं पीपीटी के माध्यम से छात्राओं को पर्यावरण को शुद्ध रखने के तरीकों की जानकारी एवं जागरूकता का कार्य किया गया। महाविद्यालय परिसर में कचरा प्रबन्धन कार्यशाला की प्रयोगात्मक प्रक्रिया को छात्राओं द्वारा स्वयं किया गया। महाविद्यालय प्रबन्धन का इस कार्यशाला में विशेष सहयोग रहा।



## Two Day Waste Management Workshop– December 12, 2015

Venue: R.C. College Mainpuri and National College Sirsaganj, U.P. | Date: December 12, 2015

The Waste management workshop was attended by professors and 400 students from the two colleges. Dr Shefali Yadav, organiser of this event stressed upon the need to educate people and create awareness regarding waste management in sections of our society.

Kiran Bajaj emphasised the need to manage waste by reducing it and not creating it in the first place. Our lifestyle dictates the amount of waste we create and we need to cut down from the very beginning as it affects the main elements of the environment, namely earth (soil), water and air. She asked for people to bring about a change in their thought process so reduction of waste is built into every activity.

### Points raised at the workshop:

Quantity of waste, quality of waste, consumption of waste in daily life, waste and how it affects health

On day two, technique of making amrit jal was imparted as well as filling pots for plants and planting of saplings was demonstrated. A slogan competition was held and certificates were awarded to participants.



## स्वच्छता एवं कचरा व्यवस्थापन : चुनौती एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय शिक्षक-छात्र संवाद कार्यशाला

दिनांक –13 फरवरी 2016

सीन- संस्कृति भवन, हिन्दू लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

स्वच्छता एवं कचरा व्यवस्थापन: चुनौती एवं समाधान विषय पर एक दिवसीय शिक्षक-छात्र संवाद कार्यशाला का आयोजन संस्कृति भवन सभागार में किया गया। इस कार्यशाला में फिरोजाबाद के ब्रजराज सिंह इण्टर कॉलेज, शिकोहाबाद के संत जन्म बाबा स्मारक महाविद्यालय, नारायण महाविद्यालय, ज्ञानदीप सी.सेके.स्कूल, गार्डनिया पब्लिक स्कूल, न्यू गार्डनिया पब्लिक स्कूल, पुरातन सरस्वती विद्या मन्दिर, माधौगंज से डी. डी. कान्वेन्ट तथा सिरसागंज से ब्राइट स्कालर्स एकेडमी के अध्यापक एवं चयनित 40 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष ने अपने संदेश में कहा “यदि हम शिक्षा एवं डिग्री प्राप्त कर समाज और देश का हित नहीं करते हैं, तो इस प्रकार की शिक्षा बेमानी हो जाती है। हमारे देश में गन्दगी और कचरा निवारण की भयानक समस्या पैदा हो गई है। इसकी वजह से मच्छर, बीमारियां और प्रदूषण फैल रहा है और जल, जंगल, जमीन दूषित हो गये हैं।

फलतः तापमान में वृद्धि हो रही है और भयानक प्राकृतिक आपदाएं लगातार बढ़ रही हैं। हमारी बेवकूफी, लापरवाही नासमझी ने ही इनको बढ़ावा दिया है जिसे कचरे जैसी समस्या ने हमारा पूरा जीवन विषाक्त कर दिया है।

हमें चाहिए कि कम से कम स्कूल और कॉलेज जाने वाले बच्चे इसके प्रति पूर्ण जागरूक हों। जैसे हम रोज अपने दैनिक कार्य करते हैं, उसी तरह सफाई और कचरे का प्रबन्धन हमारे जीवन में आ जाना चाहिए। हमें कचरे को साफ करने के लिए शर्मिन्दगी नहीं करनी चाहिए, बल्कि कचरा फैलाने के लिए अपने आप को गलत ठहराना चाहिए।

सफाई राष्ट्रीयता का द्योतक है, राष्ट्र के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है और इसे सुन्दर, स्वच्छ रखना हमारा परम कर्तव्य है। जब हर एक नागरिक जागरूक होगा तो हमारा भारत और भी सुन्दर, स्वस्थ और उन्नत होगा।

ज्ञानदीपक विद्यालय की डायरेक्टर एवं कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. रजनी यादव ने ‘स्वच्छता एवं कचरा व्यवस्थापन चुनौती एवं समाधान’ पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अपने शिक्षण संस्थानों में शिक्षकों द्वारा बच्चों को कचरा अलग करने एवं कचरा कम करने तथा उसे पुनः चक्रित करने का प्रशिक्षण देना होगा एवं इस प्रशिक्षण के माध्यम से बच्चों में ऐसी आदत विकसित करनी होगी जिससे इसका व्यवस्थापन अच्छा हो और परिसर स्वच्छ एवं कचरा-मुक्त रहे। बच्चे स्कूल में जो सीखेंगे उन्हें घर में भी अपनाने का प्रयास करेंगे।

विभिन्न विद्यालयों से आए अध्यापकों ने अपने-अपने विचारों में कहा पर्यावरण शुद्ध करने के लिये हमें सभी को इस गोष्ठी से



कचरा प्रबन्धन की जानकारी देते शशिकान्त पाण्डेय।

Shashikant Pandey explains how to separate waste.



मिलने वाले विचारों को अमल में लाया जाना चाहिए। अध्यापकों ने कहा कि हमें अपने विद्यालयों में सफाई को लेकर छात्र-छात्राओं को जागरूक करने का कार्य निरन्तर करते रहना चाहिए। कक्षाओं में अलग-डिब्बे रखवाकर सूखा एवं गीला कचरा अलग-अलग डालने के लिए प्रेरित करें। स्वच्छता को लेकर गहन अध्ययन करना होगा तथा हमें इस कार्यशाला से जो नई चीजें सीखने को मिली हैं उनको सक्रियता से अपने विद्यालयों में प्रयोग करेंगे।

इस कार्यशाला में विभिन्न विद्यालयों से आए छात्र-छात्राओं ने कहा कि कचरा प्रबंधन को उद्योग का दर्जा दिया जाना चाहिए और कचरों से विभिन्न प्रकार के उत्पाद बनाए जाएँ। विद्यालयों में कचरा प्रबंधन को एक विषय के रूप में पढ़ाया जाए। कोल्ड स्टोरेज द्वारा जो आलू बाहर फेंका जाता है, उससे फैलने वाली गन्दगी से तमाम बीमारियाँ उत्पन्न होती हैं जिसपर रोक लगायी जाए तथा उस फेंके जाने वाले आलू की उपयोगिता एवं व्यवस्थापन को तय किया जाए।

पर्यावरण मित्र द्वारा कचरे को अलग-अलग करने की विधियों का व्यावहारिक प्रदर्शन करके प्रत्येक प्रकार के कचरे को



जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी।

Exhibition of organic products.

अलग-अलग करने के तरीके बताए गए। विभिन्न विद्यालयों से अध्यापकों एवं छात्रों ने इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से सहभागिता की तथा अपने विचार प्रस्तुत किए तथा सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में सक्रियता से भाग लिया।



## One Day Waste Management Workshop

Topic: Hygiene and Waste Management: The Challenge and the Resolution

Date: February 13, 2016 | Venue: Sanskriti Bhavan, Hind Lamps, Shikohabad

A discussion among students was held on the above topic as part of a one day workshop with participants from several colleges in the vicinity.

Kiran Bajaj drove home the point that educated people had the responsibility of looking after the hygiene of their own environment. Squalor has become the cause of many diseases and has amplified pollution. Students need to be aware of their responsibility not just towards formal education but also the need to create awareness in their own communities.

Paryavaran demonstrated managing waste by separating wet and dry garbage. The interesting discussion consisted of the thoughts and feedback of the students and professors. While the ideas were varied, the focus for all was to create education and awareness around hygiene, waste management and other procedures to manage the waste around us. It was suggested that Waste management should be taught in schools and colleges as part of the study curriculum. Everyone was united in committing their time and energy to create a clean and green environment around them.



### ‘पर्यावरण मित्र’ के बारहवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ‘नैसर्गिक कृषि एवं पर्यावरण’ विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला

कार्यक्रम—‘पर्यावरण मित्र’ के बारहवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में ‘नैसर्गिक कृषि एवं पर्यावरण’ विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला

मुख्य अतिथि— श्री सुभाष शर्मा

दिनांक— 12 सितम्बर 2016

स्थान— संस्कृति भवन, हिन्दू लैम्प्स परिसर, शिकोहाबाद

पर्यावरण मित्र संस्था द्वारा अपने बारहवें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित ‘नैसर्गिक कृषि एवं पर्यावरण’ विषय पर व्याख्यान एवं कार्यशाला में जैविक परियोजना से जुड़े किसानों, विभिन्न विद्यालयों के कृषि विभाग एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष, प्राचार्यगण, पत्रकारगण एवं विद्यार्थियों के मध्य विशेषज्ञ श्री सुभाष शर्मा द्वारा व्याख्यान एवं कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का प्रारम्भ पंचमहाभूतों के पूजन के साथ किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सुभाष शर्मा का बजाज इलेक्ट्रीकल्स के चेयरमैन एवं मैनेजिंग

डायरेक्टर शेखर बजाज द्वारा हरित कलश, बैजयन्ती माला, सम्मान पत्र एवं उपहार भेंट कर सम्मान किया। इस दौरान पर्यावरण मित्र प्रबन्ध कार्यकारिणी के सदस्य भी उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि एवं नैसर्गिक कृषि के विचार प्रवर्तक श्री सुभाष शर्मा ने अपने व्याख्यान एवं कार्यशाला के माध्यम से दूर दराज से आये विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं किसानों को प्रशिक्षित किया और बताया कि रासायनिक कृषि विनाश की कृषि है। उन्होंने आलौकिक खाद, गौ संजीवक खाद, वनस्पति हरी खाद प्रणाली एवं फसल चक्र के बारे में विस्तार से पावर

प्वाइंट प्रजेंटेशन एवं आंकड़ों के माध्यम से बताया कि किस प्रकार इसका प्रयोग कर हम जैविक खेती में अधिक पैदावार कर सकते हैं। उन्होंने जानकारी दी की रासायनिक कीटनाशकों एवं उर्वरक के प्रयोग से मिट्टी के ऑर्गेनिक कार्बन 0.3 से 0.4 पर पहुँच गया है। इसलिए मिट्टी के मित्र जीवाणु नष्ट हो जाने मिट्टी निर्जीव हो गई है। इसे सजीव बनाने के लिए हमें जैविक कीटनाशक एवं जैविक



सम्मान पत्र के साथ श्री सुभाष शर्मा। Subhash Sharma with Samman patra.



सभागार में उपस्थित जैविक परियोजना से जुड़े किसान एवं शिक्षकगण।

Teachers and farmers involved with organic farming.



# भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

## Activities to reduce land pollution

खाद का अधिकाधिक प्रयोग करना होगा।

उन्होंने वर्षा के जल को खेत से बाहर न निकलने के तरीकों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि खेत के ढलान की तरफ 4 फीट चौड़े, 8 फीट गहरे एवं 80 फीट लम्बे गड्ढे को खोदकर वर्षा के पानी का संचयन कर, पानी के स्तर को कम होने से रोका जा सकता है जिससे आपकी जमीन के पास के कुएं इत्यादि में पानी हमेशा बना रहता है तथा जमीन की उर्वरक शक्ति भी बराबर बनी रहती है।

शर्माजी ने गोपालन, पेड़, पक्षी एवं वनस्पति पर विशेष जोर देते कहा कि यह चीजें जैविक खेती में अधिक पैदावार के लिए बहुत महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं एवं पर्यावरण के संतुलन को भी बनाए रखती हैं।

पर्यावरण मित्र अध्यक्ष किरण बजाज का संदेश प्रस्तुत करते हुए

शेखर बजाज ने कहा कि किसान भाइयों को जैविक अभियान में जुड़कर तथा अपने खेत के क्षेत्रफल में बढ़ोतरी करें, तब हम हवा, पानी, मिट्टी को अधिकाधिक शुद्ध रख पाएंगे। आप यदि जैविक कृषि करेंगे तो भूमि की उर्वरता भी बढ़ेगी और आने वाले दिनों में उत्पादन भी बढ़ेगा। इस मुहिम को आगे ले जाने के लिए यह आवश्यक है कि सरकार जैविक खेती को प्रसारित करने के लिए किसानों को अधिक से अधिक बीज-खाद-जैव कीटनाशक की उपलब्धता बनाने के लिए नीतिगत फैसला लें एवं इसे क्रियान्वित करने की दिशा में शीघ्रातिशीघ्र सकारात्मक कदम उठाएं।

कार्यक्रम में हरिशंकर यादव, अरविन्द सिंह, शिवनन्दन यादव, मनमोहन सिंह, संजय यादव एवं विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सहभागिता की।



नैसर्गिक कृषि पीपीटी प्रदर्शित करते श्री सुभाष शर्मा।

Subhash Sharma making PPT presentation on Organic farming.

सुभाष शर्मा को सुनता जनसमूह।

Audience in rapt attention.



जैविक उत्पाद प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री सुभाष शर्मा  
Mr. Subhash Sharma Visiting Organic Product stall.

समूह छायांकन।

Group photo.



# भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

## Activities to reduce land pollution

### श्री सुभाष शर्मा

श्री सुभाष शर्मा ऐसे व्यक्ति हैं जो भारतीय जैविक खेती (नैसर्गिक कृषि) एवं पर्यावरण किसान एवं शोधकर्ता के रूप में अपनी जीवनशैली बनाई हैं। 1952 को महाराष्ट्र में जन्मे श्री सुभाष शर्मा वर्तमान में नैसर्गिक कृषि के माध्यम से मिट्टी में ऑर्गेनिक कार्बन बढ़ाने तथा वर्षा के पानी को भूगर्भ में परावर्तित कर फसल की उपज बढ़ाने का कार्य कर रहे हैं।

शर्माजी द्वारा तैयार किए गए नैसर्गिक कृषि फार्म को देश-विदेश के लगभग 3 लाख से अधिक किसान, वैज्ञानिक, सामाजिक कार्यकर्ता देखने आ चुके हैं। आपके द्वारा बताई हुई नैसर्गिक कृषि को अपनाकर हजारों किसान इसका लाभ ले रहे हैं। आई.आई.टी. और एम.बी.ए. के विद्यार्थियों को कृषि अर्थशास्त्र का प्रशिक्षण दिया जाता है।

शर्मा जी द्वारा तैयार किए गए कृषि फार्म में वर्षभर में लगभग 100 किसानों की कार्यशाला आयोजित कर उन्हें मिट्टी की उर्वरकता और बारिश के पानी व पर्यावरण द्वारा कम खर्च में अधिक उपज कैसे ली जा सकती है, इसका प्रशिक्षण देने का कार्य निरन्तर जारी है।

आपको महाराष्ट्र सरकार द्वारा 1983 में 'शेतीनिष्ठ शेतकरी पुरस्कार', सन 2002 में 'कृषि भूषण पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त सन 2004 में 'बनराई पुरस्कार', 2009 में 'मा. पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार', 'समाज सहयोग पुरस्कार', और 'जीवन पुरस्कार' से सम्मानित किया जा चुका है।

### Shri Subhash Sharma

Shri Sharma is one of the leading Indian experts in organic farming. He has dedicated his life to research and dissemination of organic farming concepts. Born in 1952 in Maharashtra, Shri Sharma is involved in self-research to find solutions to farming problems through nature. He says, "Natural farming fulfills all basic requirements of living organisms precisely like food, air and water. It is not limited to only human being. Instead it applies to every living soul in this universe."



Initially, he started farming in 1975 using chemical methods. Though he got good yields initially, after 1986, the land productivity declined rapidly and he suffered great loss. In 1996, he started organic farming focusing on seeds, soil, water, cropping systems and labour management. He strongly believes that cows, trees, birds and vegetation are four important factors which make agriculture sustainable. Shri Sharma has been using some techniques for improving soil fertility which have resulted in increasing the productivity. "I also decided not to buy any farming input outside the farm. I wanted independence from outside sources in every way," he adds. Mr. Sharma is stationed at Tiwasa village, Yavatmal, Maharashtra.

He has been awarded the Krishi Bhushan Puraskar in 2002, the Banrai Puraskar in 2004 and Pandit Deendayal Upadhyay Puraskar in 2009. He has also received awards for his service to society.



ई-कार्ड चित्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री सुभाष शर्मा  
Mr. Subhash Sharma while visiting Ecard gallery.

गीला-सुखा कचरा  
करें अलग-अलग  
खाद बनेगी गीले से  
सुखा रीसाइकल होगा तब



# भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

## Activities to reduce land pollution



## Paryavaran Mitra - 12th Anniversary Celebrations

Paryavaran Mitra celebrated its 12th anniversary in Sanskriti Bhavan. Shri Subhash Sharma was invited as Chief Guest. A talk and workshop was organised on Organic Farming and Environment. This was well attended by students, organic farmers, members of media, professors, heads of departments of universities and agriculture students.

After a warm welcome from Shri Shekhar Bajaj, CMD, Bajaj Electricals, Shri Subhash Sharma enlightened everyone about the disadvantages of chemical fertilisers. He spoke about natural fertilisers and their higher yield through a power point presentation. He informed that the carbon levels in soil had reached 0.4 from 0.3 due to use of chemical fertilisers. We need to use organic fertilisers to remedy this disturbing statistics.

He spoke about rain water harvesting by digging around fields and storing rain water in the slope part of the farmland. These, he said, should be eighty feet long, four feet wide and eight feet deep.

Shri Sharma spoke about the significance of birds, plants, cows and trees in maintaining eco-balance. Shri Bajaj conveyed Kiran Bajaj's message to farmers, emphasising the need for organic farming for better yield and better environment for all.



### शब्दम्-पर्यावरण मित्र द्वारा गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में जैविक मेला, जैविक उत्पाद, गांधी साहित्य का आयोजन

दिनांक— 1 अक्टूबर 2016 एवं 25 अक्टूबर 2016

सीन— हिन्दलैम्प्स आउटलेट गेट नं. 2 एवं नारायण महाविद्यालय के पास शिकोहाबाद

समय — प्रातः 8:00 बजे से सांय 6:00 बजे तक

पर्यावरण मित्र संस्था पिछले 12 वर्षों से लोगों जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न अवसरों पर जैविक उत्पाद प्रदर्शनी का आयोजन करती है। संस्था द्वारा जैविक उत्पाद जैसे गेहूँ, गेहूँ आटा, दलिया, बाजरा, बाजरा आटा, ज्वार आटा, अलसी, लहसुन, हल्दी पाउडर, सरसों, सरसों का तेल, आलू, आंवला, नीबू, मौसमी, किन्नु, जैविक खाद एवं अनेक प्रकार के फूल, फल एवं छायादार पौधों की प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। इस बार संस्था ने गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में हिन्द लैम्प्स गेट नं 2 के पास जैविक उत्पाद प्रदर्शनी के साथ गांधीजी की पुस्तकों की प्रदर्शनी एवं उनके पंसदीदा भजनों को चलाया

तथा दीपावली के अवसर पर जैविक उत्पादों की प्रदर्शनी के साथ-साथ दीपावली पर पटाखों से होने वाली हानियों के प्रति जागरूकता सम्बन्धी पत्रक भी वितरित किए गए।



जैविक मेले में उपस्थित हिन्दलैम्प्स के पदाधिकारीगण।  
Hind Lamps officers in Organic Fair.



जैविक उत्पाद प्रदर्शनी में जैविक उत्पादों की जानकारी लेते लोग।

#### Organic Fair to commemorate Gandhi Jayanti

Date: October 1 and 25, 2016 | Venue: All day event at Hind Lamps Outlet Gate No.2 and next to Narayan University

Like every year, during Gandhi Jayanti, fruit and flower bearing saplings were displayed. A selection of organic produce such as wheat, flour, turmeric, linseed, garlic, mustard, amla, potatoes, lemons amongst others were also on display.

Paryavaran Mitra organised an organic mela where Gandhi's favourite bhajans were played aloud. An exhibition of books related to Gandhi was also organised.

During Diwali, our members distributed information about the problems and damage caused by firecrackers.



# भूमि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य

## Activities to reduce land pollution

### सहजन (Drumstick)

**सहजन (Drumstick)** एक ऐसी रोगनाशक शक्ति है जिसे सब्जी के रूप में भारत के विभिन्न राज्यों में उपयोग किया जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार सहजन 300 से भी अधिक रोगों को दूर भगाने वाली प्राकृतिक औषधि है जिसे हफ्ते में 1-2 दिन खाते रहने से कई बीमारियाँ दूर हो जाती हैं। यह सिर्फ खाने वाले के लिए ही नहीं, बल्कि जिस जमीन पर यह लगाया जाता है, उसके लिए भी लाभप्रद है।

सहजन, जड़ से लेकर फूल-पत्तियों तक सेहत का खजाना है।

सहजन का वनस्पति नाम मोरिंगा ओलिफेरा है।

#### सहजन के फायदे –

1. सहजन में कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, कैल्शियम, पोटेशियम, आयरन, मैग्नीशियम, विटामिन-ए, सी और बी कॉम्प्लेक्स प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। इसमें दूध की तुलना में 4 गुना कैल्शियम और दुगुना प्रोटीन पाया जाता है। इसकी फली के अचार और चटनी कई बीमारियों से मुक्ति दिलाने में सहायक हैं।
2. सहजन पाचन से जुड़ी समस्याओं को खत्म कर देता।

#### सहजन की सब्जी के फायदे–

- सहजन के फली की सब्जी खाने से पुराने गठिया, जोड़ों के दर्द में लाभ होता है।
- इसके ताजे पत्तों का रस कान में डालने से दर्द ठीक हो जाता है
- इसकी जड़ की छाल का काढ़ा सेंधा नमक और हींग डालकर पीने से पित्ताशय की पथरी में लाभ होता है
- सहजन का रस सुबह-शाम पीने से ब्लड प्रेशर और मोटापा कम हो जाता है। इसकी पत्तियों के रस के सेवन से मोटापा धीरे-धीरे कम होने लगता है
- इसकी छाल के काढ़े से कुल्ला करने पर दांतों के कीड़े नष्ट होते हैं और दर्द में आराम मिलता है



- इसके कोमल पत्तों का साग खाने से कब्ज दूर होता है

इसके अलावा इसकी जड़ के काढ़े को सेंधा नमक और हींग के साथ पीने से मिर्गी के दौरों में लाभ होता है।

#### काढ़ा पीने से फायदे–

कैंसर और पेट आदि के दौरान शरीर में बनी गांठ, फोड़ा आदि तथा पैरों में दर्द, जोड़ों में दर्द, लकवा, साइटिका एवं पथरी आदि में सहजन की जड़, अजवाइन, हींग और सौंठ के साथ बना काढ़ा पीना लाभकारी है।

#### शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है–

सहजन में प्रचुर मात्रा में ओलिक एसिड होता है जो कि एक प्रकार का मोनोसैचुरेटेड फैट है और यह शरीर के लिए अति आवश्यक है। सहजन में विटामिन-सी की मात्रा बहुत होती है। यह शरीर के कई रोगों से लड़ता है

#### सर्दी-जुखाम–

यदि सर्दी की वजह से नाक-कान बंद हो चुके हैं तो आप सहजन को पानी में उबालकर उस पानी का भाप लें। इससे जकड़न कम होगी और आराम मिलेगा।

#### ‘हड्डियां’ को मजबूती –

- सहजन में कैल्शियम की मात्रा अधिक होती है जिससे हड्डियां मजबूत बनती हैं, इसके अलावा इसमें आयरन ए मैग्नीशियम और सीलियम होता है।
- ‘इसकी हरी सब्जी को अक्सर खाने से बुढ़ापा दूर रहता है। इससे आंखों की रोशनी भी अच्छी होती है।
- ‘यदि आप चाहें तो सहजन को सूप के रूप में पी सकते हैं। इससे शरीर का खून साफ होता है।
- गुर्दे और मूत्राशय की पथरी कटकर निकल जाती है।

**DRUMSTICK** - The drumstick has many medicinal properties and is used as a vegetable in India. Experts have estimated the drumstick, eaten once or twice a week, is capable of keeping over 300 ailments at bay. It also has anti-ageing properties. From the roots to flowers, the drumstick tree is a treasure trove of health remedies.

Nutritional Benefits: Carbohydrates, Protein, Calcium, Potassium, Iron, Magnesium, Vitamin A, C and B complex are all found in the drumstick. It has four times the quantity of calcium and twice the protein found in milk. Pickles and chutneys made from the drumstick is good for health. The drumstick has a high amount of oleic acid that is a type of monosaturated fat, essential to the body.

**Health Benefits:** ● Relief from joint pains and aches ● The juice of the leaves help with relief from ear ache. Eating the leaves as a leafy vegetable helps to reduce kidney stones ● Boil the bark of roots and add rock salt and asafoetida to gain relief from gall bladder stones. This water is also known to treat epilepsy. ● The water in which drumsticks have been boiled is helpful in reducing obesity and blood pressure. ● Rinsing your mouth with water in which the peel of drumstick has been boiled helps to kill germs in the mouth and reduced toothache ● The consumption of cooked leaves helps reduce constipation. ● Make a drink with roots caraway seeds, asafoetida and dry ginger powder to reduce boils and growths. ● Reduce congestion due to cold and cough by inhaling the vapour from water with drumsticks.



# वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

Activities & Awareness Programmes to reduce air and noise pollution

## ‘जिंदगी चुनो, तम्बाकू नहीं’ अभियान

पॉवर प्वाइन्ट प्रजेंटेशन, नुक्कड़ नाटक, परिपत्र वितरण, शपथ

“आज मेरी उम्र 78 वर्ष की हो गई है, इस पुड़िया का सेवन मैं पिछले 30 वर्ष से कर रहा हूँ, शब्दम् के इस नाटक ने मेरी आंखें भर दीं। मैं कसम खाता हूँ कि आज के बाद ना तो तम्बाकू खाऊंगा और अपने से जुड़े हर व्यक्ति को इसे खाने से रोकूंगा।” इन शब्दों के साथ के हरेन्द्र सिंह ने तम्बाकू की पुड़िया फाड़ दी और शब्दम् संस्था के ‘जिन्दगी चुनो, तम्बाकू नहीं’ अभियान से जुड़ गए।

ग्राम सुजावलपुर में नुक्कड़ नाटक कार्यक्रम में लगभग 300 लोगों ने भाग लिया और नाटक से प्रेरित होकर गाँव के कुल 14 लोगों ने शपथ पत्र भरकर कभी भी तम्बाकूयुक्त पदार्थ न लेने की शपथ ली।

इस नुक्कड़ नाटक के अन्तर्गत दर्शाया गया, कि किस प्रकार तम्बाकू एवं तम्बाकूयुक्त पदार्थों का सेवन गाँव के एक होनहार युवक का जीवन बर्बाद कर देता है। यह बुरी लत उसे शहर के कुछ आवारा दोस्तों की संगत के कारण पड़ गई थी। इस कारण वह न सिर्फ पढ़ाई में पीछे रहने लगा बल्कि उसे कई बीमारियों



नुक्कड़ नाटक के दौरान तम्बाकू विरोधी गीत प्रस्तुत करते शब्दम् नाट्य टीम के सदस्य।  
Shabdam Theatre Team presents anti tobacco song in a street play.



तम्बाकू छोड़ने के बाद शपथ पत्र भरवाते ग्रामीण। Villagers pledge to give up tobacco



नुक्कड़ नाटक का एक दृश्य।

A scene from the street play



## वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

Activities & Awareness Programmes to reduce air and noise pollution



ने भी घर लिया। परिवार वालों ने जमीन बेचकर एवं कर्ज लेकर उसका इलाज कराया। जिस दोस्त के कारण यह लत लगी थी उसे भी सिगरेट के धुएं से कैंसर हो गया, उसके परिवार वालों ने भी कैंसर का इलाज कराया। मंहगे इलाज के कारण परिवार कर्ज में डूब गया और इस कारण बहन की शादी तक टूट गई। इतना करने पर भी परिवार अपने पुत्र को धुएं के बुने कैंसर जाल से नहीं बचा पाया और उनका बेटा तम्बाकू की बलि चढ़ गया।

नाटक का अन्त इस संदेश के साथ किया गया कि तम्बाकू या तम्बाकूयुक्त पदार्थ न सिर्फ इसका सेवन करने वाले का जीवन ही नष्ट करते हैं, बल्कि यह पदार्थ पूरे परिवार को पल-पल मरने के लिए मजबूर करते हैं।

कार्यक्रम में सुजावलपुर गाँव से रघुवीर सिंह, हाकिम सिंह, भँवर सिंह (ग्राम प्रधान), दीपू यादव, रवी यादव का विशेष सहयोग रहा। शब्दम्-पर्यावरण मित्र से नुक्कड़ नाटक टीम में दीपक औहरी, मोहित, अवधेश यादव, माया शर्मा, सोबरन सिंह, दुर्ग सिंह, सोनू, अरविन्द, धर्मेन्द्र उपाध्याय, सुदयवीर द्वारा अभिनय किया गया।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अंतर्गत संस्था ने पॉवर प्वाइन्ट प्रजेंटेशन के माध्यम से भी लोगों को तम्बाकू के दुष्परिणाम दिखाने की कोशिश की है।

इस अवसर पर छात्र-छात्राओं के मध्य एक पेन्टिंग प्रतियोगिता भी करायी गई।



नुक्कड़ नाटक को ध्यान पूर्वक सुनते ग्रामीण बुजुर्ग एवं महिलाएं व बच्चे।

Older village folk, children and women engrossed in street play

### World Anti-Tobacco Day

Venue: Sujawalpur - 12kms from Hind Lamps May 31, 2016

Choose Life, Not Tobacco campaign was carried out with the help of a power point presentation, street play, oath taking and distribution of pamphlets

Harendra Singh was moved by the street play presented by Shabdham. He vowed not to chew tobacco ever again. He took the decision to give up a habit he was addicted to for 30 years.

14 people were inspired by the play and promised to give up tobacco. More than 300 people participated in this activity.

The street play was successful due to its moving story about an intelligent boy who falls prey to tobacco. The audience empathised with the plot as well as the actors. The play was able to communicate its message that tobacco destroys not just the life of those who consume it but also the entire family.

The power point presentation highlighted the negative effects of tobacco. A painting competition was organised for students with a similar theme.





### ‘पर्यावरण मित्र’ द्वारा वन महोत्सव के अंतर्गत वृक्षारोपण अभियान

‘पर्यावरण मित्र’ ने इस वर्ष वन महोत्सव का आगाज यंग स्कॉलर्स एकेडमी के सहयोग से टूण्डला स्थित टोल टेक्स के पास 125 पौधे रोपित कर किया जिसमें चितवन, बकायन, करंज, गुड़हल, कनेर, हरश्रंगार, चम्पा, मीठा नीम आदि प्रमुख थे।

टूण्डला स्थित टोलटेक्स के पास पौधा रोपित करते यंग स्कालर्स के छात्र।  
Plantation by Young scholars student Near Tundla toll tax.



पर्यावरण मित्र ने अपने वृक्षारोपण अभियान को आगे बढ़ाते हुए फतेहपुर कर्खा में प्राचीन तालाब के चहुओर उसे हरा-भरा और सुन्दर बनाने के उद्देश्य से छायादार एवं फलदार पौधे रोपित किये गये, इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में गीमणजनों के साथ-साथ प्राथमिक विद्यालय फतेहपुर कर्खा के छात्रों ने भी बढचढकर हिस्सा लिया तथा रोपित किए गए पौधों की देखरेख एवं सुरक्षा की जिम्मेदारी ली।



तालाब किनारे पौधा रोपण करने के लिए एकत्रित ग्रामीणजन।  
Villagers are ready for plantation near ponds.



पौधा रोपित करते ग्रामीणजन एवं छात्र।  
Plantation by villagers and students.

पर्यावरण मित्र की जैविक परियोजना से जुड़े किसानों के साथ-साथ उनके परिवार की महिलाएं व बच्चों ने भी इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में बढचकर हिस्सा लिया और उपयुक्त अपनी जमीन पर पौधे रोपित किए। यह अभियान ग्राम छटनपुर से शुरूआत करते हुए ग्राम लखनपुरा, लखनई, कटोरी, दुधरई खेड़ा, केसरी, इन्दरगढ़, शेरपुरा, कुतुबपुर, डंडियामई, नगला जमुनी, नगला मिश्री में जाकर सम्पन्न हुआ।

पौधे रोपित करने का मुख्य उद्देश्य पेड़ लगाना ही नहीं बल्कि किसानों एवं उनके परिवार के लोगों को वृक्षारोपण के वैज्ञानिक तरीकों का प्रशिक्षण देना एवं पेड़ पौधों की देख-रेख एवं पालन-पोषण करना भी हैं।



गांव में वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत पौधारोपित करते ग्रामीणजन।  
Under the plantation drive by villagers.



# वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

Activities & Awareness Programmes to reduce air and noise pollution

वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत विश्व वानिकी दिवस पर पर्यावरण मित्र अध्यक्ष श्रीमती किरण बजाज एवं सुधा कंसल द्वारा हिन्दू परिसर स्थित कंसल कोठी एवं सुन्दर वन में क्रमशः बहेड़ा एवं बेल के पौधे रोपित किए गए।



बहेड़े के पौधे का रोपण करतीं सुधा कंसल एवं किरण बजाज।  
Sudha Kansal and Kiran Bajaj planting Baheda tree



सुन्दर वन में बेल के पौधा रोपण के समय समूह छायांकन।  
A group photo of Bel plantation at Sundar Van.

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सकों एवं महिलाओं द्वारा पूजन के साथ वृक्षारोपण किया गया। सभी ने पेड़ पौधों की सुरक्षित रखने के प्रयास के लिए संकल्प लिया। पर्यावरण मित्र का यह अभियान निरन्तर जारी है।

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर नगर के वरिष्ठ  
चिकित्सकों एवं महिलाओं द्वारा वृक्षारोपण।

Leading doctors and ladies of the city planting  
saplings on World Forest Day.



पर्यावरण मित्र ने माधौगंज स्थित मुख्य बटेश्वर मार्ग पर द्वितीय चरण में 600 फीट लम्बी हरित पट्टिका का निर्माण कार्य पूर्ण किया, जिसके अंतर्गत गुडहल, चांदनी, जस्टोफा, कनेर आदि प्रजाति के 60 पौधे रोपित किए गए।

पर्यावरण मित्र की अध्यक्ष किरण बजाज ने अपने संदेश में कहा कि हरियाली, सफाई और प्रदूषण मुक्ति से ही धरती ग्रह बचेगा। यह देश सबका है अतः हम सभी को इस दिशा में अपने-अपने स्तर पर कार्य करना चाहिए। पर्यावरण मित्र जन सहयोग से हरित पट्टिका की दिशा में कार्यरत रहेगा।



पौधा रोपित करते पर्यावरण प्रेमी।

Tree plantation by lovers of Nature



शुद्ध रस  
होना  
है कार्य  
कृपाशिव  
लोग उ  
यक्त से ए

अमर उजाला ब्यूरो

हरित पट्टिका में लगाए गए 60 पुष्प के पौधे

शिकोलाकरा परावरण मित्र ने हिन्दू धर्म के प्रयोग से किताबें हिरत परित्याग का निर्माण किया। पुष्पों शिवस के अनुसार माथीपेन किताब हिन्दू धर्मसु में २ से ३ से हारती टीकर के किनारे रखते किताबें तक सार पर हिरत परित्याग 'द्वितीय चरण' का निर्माण किया गया।

सुधारण्य विद्या। हरित चट्टिका की कुल लम्बाई लगभग 600 फीट है जिसमें हरित चट्टिका के खाली जगहों में गूढ़हरा, चौदई, जस्टीस, कोनर और विभिन्न प्रजातियाँ और 60 युग के पौधे लगाने गए। इसके साथ ही हिन्दू धर्म के विभिन्न जगहों के देवी देवताओं की मूर्तियाँ भी वहाँ लगी हैं।

प्राचार्य मित्र जन सहयोग से इति  
पिटका की दिशा में कार्यरत थे।  
मिट्टी से ही हम जन्मे हैं और मिट्टी में  
ही हम मिल जायेंगे और मिट्टी से ही  
सबकुछ है। इतिहासी, राजसी और  
प्रभुजन मुक्ति से ही धाती बन गये।  
यह देश सबका है सभी को इस दिशा  
में अपने-अपने स्तर पर कार्य करना  
पड़िये।

में कार्य किया तथा हरित पौधों के  
 शुष्कारण में सिल्वर फायर के  
 प्रयोगका प्रयोग किया, इसके साथ  
 सिंग, सुनिंग सेने, टिपक औरी, बनी  
 पाटक, अथवा टिपक, मोपल सिंग  
 मुंग, सिंग सिंग, प्रयोग, पाटक,  
 सिंग सिंग, सिंग सिंग सिंग। हरित

पञ्च, आर्क, सिंह, ज्ञानेश्वर, योगेश्वर, सायबोरीस, सोनू कुलदेव, प्रवीण, इत्यादी का विशेष सम्बन्ध रहा। कर्वाकम का सम्बन्ध हिन्दू धर्म के प्रशासनिक प्रबन्धक जेहि घटक एवं एकाग्र प्रबन्धक आर्क, सिंह एवं परीवारण मात्र प्रबन्धक सौकर्यन ने किया। निम्न के ज्ञानेश्वर सी० सी० खिलक कुल के लगभग 1500

प्राप्त उठाई। कृष्ण की हथ पग, लाल और सुन वस्त्र धारण करने की आदत और पत्नी सेठी को सीपल के रूप में देना। बाली ने पूरा उठावा के साथ अन्य, जल, धर्म और सुखित जीवन देने वाली गी को सुखित रखने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, सांसारिक पोषण प्राप्त, हठोत्तर ३३० राजसी धर्म, यी-धर्म और ३३० राजसी धर्म।

स्थित हिन्दू लैम्पस गेट  
बाहरी दीवार के किनारे  
क्रासिंग तक मार्ग पर  
पॉटुका का निर्माण कि  
हिन्दू लैम्पस के मह  
- लैम्पस यादव

न. 2 से  
रे रेलवे  
र हरित  
द्वी गया।  
प्रबन्धक  
ने चांदनी

वर्णमित्र

की ओर से हरित एवं

विश्वकोशबाद। नमः स्वातंत्र्य के  
पुनर्जात होने के लिए।  
संयुक्त राष्ट्रसंघ के एकजुट  
के द्वारा-समाजों के स्वातंत्र्य  
अपने समूह के साथ अपने  
कार्य की पैदावार: विश्व के  
में अंकित।

# विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर हरित पट्टिका का निर्माण

फिरोजाबाद(सकब)।  
पर्वारण मित्र ने हिन्द लैम्स  
के सहयोग से विश्व पृथ्वी  
दिवस के अवसर प्राधोगंज  
स्थित हिन्द लैम्स गेट नं.2 से  
बाहरी दीवार के किनारे रेलवे  
क्रासिंग तक मार्ग पर हरित  
पट्टिका का निर्माण किया गया  
हिन्द लैम्स के महाप्रबन्ध  
नीमस यादव ने चांद

एक समूह मित्र की ओर से हर्षित एवं प्रशंसित किया

## 20





## विश्व पर्यावरण दिवस पर वॉल पेन्टिंग, वृक्षारोपण, संगोष्ठी का आयोजन

शब्दम्—पर्यावरण मित्र संस्था ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक विचार गोष्ठी एवं पीपीटी प्रस्तुतिकरण का कार्यक्रम किया जिसमें तम्बाकूयुक्त पदार्थों से होने वाली बीमारियों एवं उन्हें किस प्रकार छोड़ा जा सकता है, इस संदर्भ में विस्तार से बताया गया। इस कार्यक्रम में शिकोहाबाद नगर के चिकित्सक एवं शिक्षाविदों ने सभागार में अपने विचार भी रखे। शब्दम् सलाहकार समिति के वरिष्ठ सदस्य डॉ. अजय कुमार आहूजा ने सभी से केवल एक पेड़ लगाने एवं एक वर्ष तक उसका संरक्षण करने की अपील की। उन्होंने सभा में उपस्थित युवा वर्ग से कहा कि आप लोग अपने परिवार को तम्बाकूमुक्त बना सकते हैं। पहले आप अपने परिवार को, तदोपरान्त अपने गांव एवं समाज को तम्बाकूमुक्त बनाने का संकल्प लें। चिकित्सक डाक्टर रंजीत सिंह ने कहा 'आइए संकल्प करें कि 'जितना हम पर्यावरण से लें, उतना हम पर्यावरण को दें' अगर इस पंक्ति को हम ब्रह्म वाक्य बना लें तो हमें किसी प्रकार के पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता नहीं रहेगी।' इस अवसर डॉ. वी. के. जादौन, ब्लूमिंग बडर्स के निदेशक राजपचौरी, ठा. तारा सिंह इण्टर कॉलेज से राजेन्द्र सिंह, पूर्व



वॉल पेन्टिंग करते छात्र।

Wall painting by Students



विश्व पर्यावरण एवं तम्बाकू पर अपने विचार प्रस्तुत करते डॉ. ए.के. आहूजा।

Dr A.K. Ahuja on ill effect of tobacco



# वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम Activities & Awareness Programmes to reduce air pollution



प्रधानाध्यापक लक्ष्मीनारायण यादव, पूर्व प्रधानाध्यापक ग्राम सुजावलपुर रघुवीर सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किए।  
विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर वॉल पेन्टिंग जागरूकता अभियान का कार्यक्रम किया गया जिसके माध्यम से बच्चों ने पर्यावरण को बचाने की आमजनों से अपील की। इस वॉल पेन्टिंग जागरूकता अभियान में शुभी, सिद्धी आयुश, मयूरी, आकांक्षा, आर्ची, आरुशि, अरुशी, पुष्कर ने भाग लिया।  
आवश्यकता इस बात की है, कि इस तरह की जागरूकता के कार्यक्रम हर शहर, गाँव, नुकड़ सभाओं और संस्थाओं में हों जिससे कि बुरी आदतों से समाज को मुक्ति मिल सके और हमारा देश खुशहाल हो तथा प्रत्येक व्यक्ति में जल, वायु संरक्षण की भावना रहे, और वह अपने-अपने स्तर पर पर्यावरण की रक्षा करें।



पुरस्कार वितरण करते डॉ. ए.कै. आहूजा | Prize distribution by Dr. A.K. Ahuja



समूह छायांकन।

Group Photo



वॉल पेन्टिंग के पश्चात् समूह छायांकन।

Group Photo after wall painting



## World Environment Day

Date June 5, 2016 | Venue: Sanskriti Bhavan

A discussion about tobacco consumption and how to rid oneself of its addiction was held by several doctors and academics of Shikohabad. Dr Ajay Ahuja, senior consultant, Paryavaran Mitra made a request to the youth that they should plant a tree and look after it for an entire year. He also asked them to take on the challenge of making their own family tobacco free.

'Let us give back as much as we take from our environment' was a simple suggestion made by Dr. Ranjit Singh. A wall painting contest was held amongst young students to raise awareness about environment protection.

While Shikohabad is working relentlessly to create awareness, it is essential that every village, town, city and school starts talking about the ill effects of tobacco. The message needs to reach every nook and corner of the country. And everyone needs to put their best foot forward to make a small contribution to protect the environment around them in any which way they can.





## हरे-भरे वृक्षों के साथ बच्चों ने की मन की बातें

कार्यक्रम— वन दर्शन

स्थान — हिन्द परिसर, शिकोहाबाद

आमंत्रित— मैनुपरी, इटावा, फिरोजाबाद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राएं एवं अध्यापकगण

‘पर्यावरण मित्र’ द्वारा हर वर्ष विभिन्न जनपदों के विद्यालय एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थियों, अध्यापकों को वन दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से पौधे लगाना, लघु वनों का विकास करना, कचरा प्रबन्धन, जैविक खाद बनाना, जैविक फसल के उत्पादन के तरीकों एवं उत्पादों के बारे में विस्तृत जानकारी के साथ-साथ प्रशिक्षण दिया जाता है। यह प्रशिक्षण विद्यार्थियों को उनके पाठ्यक्रम में भी सहायक सिद्ध होता है।

पर्यावरण मित्र का वन दर्शन कार्यक्रम वर्षभर जारी रहता है। पिछले कुछ वर्षों से इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों के मध्य काफी उत्साह देखने को मिला है। विद्यार्थियों को प्रकृति से जोड़ने एवं उनके मध्य अपनी बात को रखने का यह एक ऐसा माध्यम है जिसमें विद्यार्थी बिना किस तनाव एवं परेशानी के आसानी से ज्ञान अर्जित कर लेते हैं और उसे अपने व्यावहारिक जीवन में उतारते हैं।

2011 से प्रारम्भ यह अभियान निरन्तर जारी है। इस अभियान में अबतक 31 हजार से अधिक लोगों ने सहभागिता की है।



जैविक खाद बनाने की विधि का ज्ञान प्राप्त करते विद्यार्थी।  
Student learning the process how to make Organic manure.



वर्मीकम्पोस्ट खाद की जानकारी प्राप्त करते विद्यार्थी।  
Student collecting information about Vermicompost.



वन दर्शन में प्रतिभागिता करते विद्यार्थी।  
Students participating in Van Darshan Programme.

### विद्यार्थियों के सुझाव

हमें यहाँ आकर बहुत अच्छा लगा। प्रयोग में न आने वाली वस्तुओं को प्रयोग में लाकर जैविक खाद बनाना सीखा और पौधे लगाने के तरीके को समझा।

— अंजली कक्षा — 8

एस.आर.एस. मैमोरियल पब्लिक स्कूल

पर्यावरण मित्र संस्था के वन दर्शन कार्यक्रम में आकर हमें बहुत अच्छा लगा और हमारे छात्रों को पर्यावरण के बारे में जानकारी मिली। मैं संस्था का आभार व्यक्त करता हूँ कि इसके माध्यम से हम अध्यापकगण एवं छात्रों को बहुत सारी जानकारी मिल सकी।

— अमित कुमार

अध्यापक, यंग स्कालर्स एकेडमी

I learnt many things from this programme. Nature is an important part of human being. Use of natural products keep our body fit and healthy.

- Jitendra Singh (Student)

Young Scholars Academy



## वायु प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्यक्रम Activities & Awareness Programmes to reduce air pollution



### Van Darshan

Chitchat amongst trees with children and teachers from schools of Mainpuri, Itawa, Firozabad.

Children from various schools around Shikohabad are invited each year as guests of Paryavaran Mitra. Besides a tour of the area, the purpose is to educate and demonstrate the benefits of tree plantation, organic farming, mini forestry, waste management and vermiculture. These live sessions help the students in their studies too.

It is heartening to see the enthusiasm of the students over the last few years. This has been a very successful medium of connecting students with Nature in a pressure-free environment. They absorb the teachings easily and are able to use it practically in their lives and curriculum. 31,000 visitors have been a part of the Van Darshan programme since 2011.





दीपावली के अवसर पर पटाखों से होनी वाली ध्वनि प्रदूषण एवं वायु प्रदूषण के प्रति लोगों को जगह-जगह पर पोस्टर लगाकर तथा 15 हजार पम्पलेट वितरण कर जागरूक करने का प्रयास किया गया। सोशल मीडिया में ई-कार्ड के माध्यम से लोगों को पटाखों से बचने के लिए संदेश दिया गया। जनपद फिरोजाबाद के विद्यालयों एवं प्रशासन में पर्यावरण मित्र ने पत्र भेजकर पटाखे न चलाने एवं उससे होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में लोगों को जागरूक करने का आग्रह किया।

## क्या आपको पता है— प्रतिवर्ष दीपावली में कितना विनाश होता है?

- पटाखों की वजह से हजारों लोग अपंग, अंधे, बहरें हो जाते हैं और जलने से मर भी जाते हैं।
- पटाखों की वजह से हवा में ज़हर फैल जाता है जिससे दमा, उल्टी-बुखार, दिल का दौरा, नींद न आना और चर्मरोग आदि बीमारीयां हो जाती हैं।
- पटाखे जलाने से जान-माल की हानि एवं करोड़ों रूपए बर्बाद हो जाते हैं।
- गैरकानूनी पटाखों के कारखानों में बाल मजदूरी कराने से हजारों बच्चे मर जाते हैं, यह क्रूर बाल हत्या है।
- पटाखों से हवा-पानी-जमीन में ज़हर फैल जाता है जिससे पशु-पक्षि, पेड़-पौधों और खेती पर भयंकर दुष्प्रभाव पड़ता है।

क्या यह सब जानते हुए आप अपना धन स्वाहा करेंगे?  
हमारा आग्रह है— पटाखें ना खरीदें ना जलाएं ना जलाने दें  
अपने धन को परिवार-हित में लगाएँ।



www.paryavaranmitra.com

वर्तमान और भावी पीढ़ी की रक्षा करें

आनंदमयी दीपावली



www.shabdhamhindi.com





# ध्वनि प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

Activities & Awareness Programmes to reduce sound pollution



पर्यावरण मित्र द्वारा दीपावली, नवरात्री एवं वैवाहिक कार्यक्रम से पूर्व वायु प्रदूषण एवं ध्वनि प्रदूषण की रोकथाम के लिए शासन, प्रशासन को पटाखे न चलाने एवं उनके दुष्परिणामों से बचने के लिए लोगों को जागरूक करने के लिए आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्राचार किया जाता है। इसी के साथ-साथ विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में निम्नलिखित पत्र भेजकर शिक्षकों से आग्रह करते हैं कि विद्यालय की प्रार्थना सभा एवं असेम्बली में उन्हें छात्रों को पटाखे न चलाने एवं ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए जागरूक किया जाए।

दिनांक 05.10.2016

सेवा में

श्रीमान उपजिलाधिकारी  
शिकोहाबाद

विषय:— नवरात्रि, दीपावली एवं विवाह में होने वाले प्रदूषण के सम्बन्ध में।  
आदरणीय महोदय,

आपको विदित ही है कि नवरात्रि आरम्भ हो चुकी है तत्पश्चात् दीपावली, कार्तिक पूर्णिमा और उसके तुरत बाद ही वैवाहिक कार्य भी प्रारम्भ हो जाएंगे।

इन सभी अवसरों पर प्रायः सुबह तड़के से ही देर रात तक लोग तेज आवाज में लाउडस्पीकर तथा अन्य ध्वनि प्रसारक यंत्रों का प्रयोग करते हैं एवं पटाखे और बन्दूक चलाते हैं। जिससे बच्चों, बुढ़ों—बीमार और कामकाजी लोगों को बहुत हानि और कष्ट होता है।

एक जागरूक स्वयंसेवी संगठन होने के नाते हम आपसे विनम्र आग्रह करते हैं कि परिवार, समाज, देश और प्रकृति हित के लिए लाउडस्पीकर बजाने, पटाखे तथा बन्दूक चलाने, बैण्ड—बाजे एवं हानिकारक वस्तुओं के प्रयोग के भयानक दुष्परिणाम को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

कृपया इस पर कठोर कानूनी कार्यवाही करवायें साथ ही शिक्षक, विद्यार्थी एवं आम जनता को इन प्रदूषणों से होने वाली गन्दगी, बीमारियों और नुकसान के बारे में जागरूक करने हेतु बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाएं।

शुभ दीपावली  
हरी—भरी मंगलकामनाओं सहित।

विनीत,

किरण बजाज

(किरण बजाज)  
अध्यक्ष, पर्यावरण मित्र

संलग्नक— ध्वनिप्रसारक यंत्र एवं पटाखों से होने वाली हानियां।



# ध्वनी प्रदूषण को कम करने के लिए किए जाने वाले कार्य एवं जागरूकता कार्यक्रम

Activities & Awareness Programmes to reduce sound pollution



## हानियां-

तेज आवाज में लाउडस्पीकर तथा अन्य ध्वनि प्रसारक यंत्रों से होने वाली हानियां:

1. व्यक्ति की श्रवण क्षमता का ह्रास होना ।
2. छात्र-छात्राओं की पढ़ाई में अत्यधिक बाधा ।
3. मानसिक अवसाद, तनाव, रक्तचाप आदि की बीमारी ।
4. नींद न आना, रोगियों, बुजुर्गों एवं बच्चों को डर तथा कष्ट ।
5. कामकाजी लोगों को अगले दिन काम पर जाने में बाधा ।

## पटाखे से होने वाली हानियां:

1. पटाखों से जलने एवं आग लगने की हर वर्ष असंख्य दुर्घटनाएँ ।
2. दिल सम्बन्धित बीमारी का होना ।
3. बहरापन ।
4. सांस लेने एवं अस्थमा के मरीजों को बहुत कष्ट ।

## प्रदूषण सम्बन्धी एवं अन्य:

1. पटाखों से निकले बारूद एवं कचरे से गंदगी एवं भूमि, वायु तथा जल प्रदूषण का फैलना जिससे भयंकर रोग पैदा होते हैं ।
2. धन-जन की फिजूल बर्बादी ।

## बन्दूक से होने वाली हानियां:

1. हर वर्ष इस नृशंस कुप्रथा एवं झूठी शान की वजह से सैकड़ों लोगों की बेवजह जान जाना ।

## बैण्ड-बाजे से होने वाली हानियां:

1. यातायात बाधित होना जिससे आकस्मिक मरीजों को अस्पताल आदि जाने में कष्ट ।
2. विवाह-शादियों में देर रात तक इनके प्रयोग से शोर एवं ध्वनि प्रदूषण ।
3. कामकाजी लोग समय कार्य पर नहीं जा पाते हैं ।

## गन्दगी एवं अतिक्रमण:

1. सड़कों एवं उसके किनारे बने हरित पट्टिकाओं में गन्दगी प्लास्टिक के ढेरों से बीमारियों का फैलना ।
2. सड़कों के किनारे फुटपथों पर दुकानों, रिक्शा-ठेलागाड़ी एवं सब्जियों की दुकान लगने से अतिक्रमण की समस्या ।





## Green Movement:

- Tree Plantation
- Development of small forests  
Green Belts
- Nursery Development Indoor/Outdoor

## Organic Farming:

- Soil Testing
- Organic Manure and pesticides
- Organic Kitchen Garden
- Organic Agriculture
- Organic Fruit & Medicinal Plants

## Water Conservation:

- Rain Water Harvesting
- Water Purification
- ETP in factories
- Revival of ponds and water bodies

## Cleanliness Drives Training:

- To farmers and students
- Discussion & Interactions with School & College Students, Farmers and Doctors

## Awareness Programme:

- Celebration of the important international environment days
- Wall writing
- Rallies and Seminars
- Street Plays and Drawing & Painting Contests
- Campaign against plastic, tobacco, noise pollution
- Exchange of information & Projects with other NGO's

## हरित आंदोलन:

- वृक्षारोपण
- लघु वनों का विकास
- ग्रीन बेल्ट
- नर्सरी का विकास-घर के अंदर/बाहर

## जैविक खेती:

- मिट्टी परिक्षण
- जैविक खाद एवं कीटनाशक
- जैविक किचन गार्डन
- जैविक कृषि
- जैविक फल एवं औषधि पौधे

## जल संरक्षण:

- वर्षा जल संचयन
- जल शुद्धिकरण
- कारखानों में ईटीपी
- तालाबों और जलाशयों का पुनरुद्धार

## स्वच्छता अभियान प्रशिक्षण:

- किसानों और विद्यार्थियों को प्रशिक्षण
- स्कूल और कॉलेज विद्यार्थियों, किसानों एवं डॉक्टरों से चर्चा एवं बातचीत

## जागरूकता कार्यक्रम:

- महत्वपूर्ण विश्व पर्यावरण दिवस मनाना
- वाल राइटिंग
- रैलियां और गोष्ठियां
- नुक्कड़ नाटक तथा चित्रकला प्रतियोगिताएं
- प्लास्टिक, तम्बाकू, ध्वनि प्रदूषण के विरुद्ध अभियान
- अन्य गैर-सरकारी संगठनों के साथ परियोजनाएं और

## Paryavaran Mitra Managing Committee:

|                     |  |
|---------------------|--|
| President           | : Kiran Bajaj  |
| Vice President      | : Shekhar Bajaj  |
| Secretary           | : Mangesh Patil  |
| Dy.Secretary        | : Hari Om Sharma   |
| Treasurer           | : Srikant Pandey   |
| Dy.Treasurer        | : Chetan Bhanushali  |
| Executive Committee | : Mukul Upadhyaya, Dr. A.k. Ahuja,<br>Dr. Rajni Yadav, Manmohan Singh,<br>Raj Kishor Singh, Abhay Dixit, Deepak Ohri |
| Auditor             | : Shikhar Sarin  |

## पर्यावरण मित्र संचालक समिति:

|                  |  |
|------------------|--|
| अध्यक्ष          | : किरण बजाज  |
| उपाध्यक्ष        | : शेखर बजाज  |
| सचिव             | : मंगेश पाटील  |
| उपसचिव           | : हरिओम शर्मा  |
| कोषाध्यक्ष       | : श्रीकांत पाण्डेय   |
| उपकोषाध्यक्ष     | : चेतन भानुशाली  |
| कार्यसमिति सदस्य | : मुकुल उपाध्याय, डॉ. ए.के. आहूजा,<br>डॉ. रजनी यादव, मनमोहन सिंह, राजकिशोर<br>सिंह, अभय दीक्षित, दीपक औहरी |
| लेखा परीक्षक     | : शिखर सरिन  |

## Contact :-

**Mumbai:** Kiran Bajaj - President  
Bajaj Electricals Ltd., 701, 9th Floor, Rustomjee Aspiree, Bhanu Shankar Yagnik Marg, Sion, Mumbai - 400 022. Ph.: 24064200  
Mob.: 09920949434  
E-Mail: Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com  
Website: www.paryavaranmitra.org

## Shikohabad:

Mohit Jadon (09358361489), Abhishek Srivastav (08394894447)  
Hind Lamps Ltd., Shikohabad, Dist : Firozabad (U.P.), 283141  
Phone No.: 05676-234018  
E-Mail: pmhoskb@gmail.com

## सम्पर्क :

**मुम्बई :** किरण बजाज - अध्यक्ष  
बजाज इलेक्ट्रिकल्स लि., 701, 9 माला, रुस्तमजी अस्पयरी,  
भानुशंकर याज्ञिक मार्ग, सायन, मुम्बई : 400022.  
टै : 24064200 मो.: 09920949434  
ई-मेल : Paryavaran.mitra@bajajelectricals.com  
वेब साइट : www.paryavaranmitra.org

## शिकोहाबाद:

मोहित जादोन (09358361489) अभिषेक श्रीवास्तव (08394894447)  
हिन्द लैम्पस लि. शिकोहाबाद, जिला: फिरोजाबाद (उ.प्र.), 283141  
फोन नं.: 05676-234018  
ई-मेल : pmhoskb@gmail.com